Acharya Vidhyasagar Sudhasagar Jain Shodh Peeth
C.S.J.M. University, Kanpur
Odd Semester Examination 2025-26
M.A Prakrit (1st Semester)

कुन्दकुन्द का कुंदन (A670705T)

निर्धारित समय: 3:00 घंटे **अधिकतम अंक: 75**

नोट- प्रत्येक खण्ड में यथानिर्दिष्ट प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

खण्ड-क

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है | 3*9=27 अंक

(क) कुन्दकुन्द का कुन्दन ग्रन्थ के संकलनकर्ता कौन है?
(ख) आचार्य विद्यासागर महाराज के दीक्षा गुरु कौन थे?
(ग) कुन्दकुन्द का कुन्दन के मंगलाचरण में किन परमेष्ठी की वन्दना की गई है।
(घ) निश्चय मोक्षमार्ग क्या है?
(ङ) व्यवहार सम्यग्दर्शन किसे कहते हैं?
(च) अठारह प्रकार के दोष कौन-कौन हैं?
(छ) कुन्दकुन्द के कुन्दन की भाषा कौनसी है?
(ज) निःशंकित अंग में कौन प्रसिद्ध हुआ।
(झ) मोक्ष की प्राप्ति का उपाय क्या है?
(ञ) जीव में कौन से गुण पाये जाते हैं ?

खण्ड-ख

नोट-निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के तीन भाग है | प्रत्येक प्रश्न के 3*4=12 अंक निर्धारित है | 12*2=24

प्रश्न-2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) सम्यग्दर्शन के भेद लिखकर उनको स्पष्ट कीजिए ?
(ख) निःशंकित अंग के स्वरूप् एवं महत्व का वर्णन करें?
(ग) वात्सल्य अंग के परिपालन की क्या उपयोगिता है?

प्रश्न-3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) आचार्य कुन्दकुन्द कृत ग्रन्थों का वर्णन कीजिए ?
(ख) ज्ञान के अर्थ को स्पष्ट करें?
(ग) जिन वचनों की महिमा का वर्णन करें?

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) मंगलाचरण लिखकर उसका अर्थ लिखिए?

(ख) मोक्ष मार्ग उसका फल क्या है?

(ग) निम्न गाथा का अर्थ लिखिए-

दंसणणाणचरित्ताणि सेविदव्वाणि साहूण णिच्चं।
ताणि पुण जाण तिण्णिवि अप्पाणं चेव णिच्छयदो।।

खण्ड-ग

नोट- निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के दो भाग हैं | प्रत्येक प्रश्न के 2*6=12 अंक निर्धारित है | 12*2=24

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) आचार्य विद्यासागर जी महाराज का भारतीय समाज को क्या योगदान रहा है?

(ख) आचार्य कुन्दकुन्द का जीवन परिचय लिखिए

प्रश्न-6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) निर्विचिकित्सा अंग का स्वरूप लिखिए ?

(ख) जो ण करेदि दु कंखं कम्मफलेसु तहय सव्वधम्मेसु।
से णिक्खंको चेदा सम्मादिट्ठी मुणेदव्वो।। इस गाथा का भावार्थ लिखें।

प्रश्न-7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) प्रथम अधिकार के महत्त्व का वर्णन करें ?

(ख) सम्यग्ज्ञान का स्वरूप लिखिए?

प्रश्न-8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) श्रावक की ग्यारह प्रतिमाएं कौन सी हैं?

(ख) व्रत का स्वरूप एवं भेदों को लिखें?